



इरा भरुव. सुभाखा भरुव. शुभाखा भरुव. अननका भरुव. स
सिद्धि भयययु. सर्वकर्म शुद्धि भविह. धीर्य कनू कं कं हहहह. हा
रुग वं न. वं क ह नू क मा भ. भू न व डी. रुव महा समय सत्त्व आ
कं रुइ॥ ॥ रुना वं सर्व सत्त्वार्थ सिद्धि दत्ता यथा नू ग. ग रु ध व
व वी य य. पू न ना य ग म ना य न॥ ॐ भू व ड न भु ल वी स न न॥

211 212 213

सायिका सर्वकथागतकथाहंसाययिष्यामीः शुद्धं बुद्धि
वाविष्णु ॥ ॥ तु सर्वकथागतकथाहंसाययिष्यामीः ॥ संखयक
हाय ॥ ॥ तु किं साहा ॥ नासियब्धयासा ॥ ॥ तु कायविष्णु ॥ पः
न साहा ॥ साहाय ॥ ॥ तु शाकनं पुनिकु साहा ॥ पूजकान्नसुहा
या ॥ ॥ तु नमो हगवक पुष्पक शुभागाय कथागतकथाहंसाय
या ॥

नरुं बुद्ध्याय कथागतकथाहंसाययिष्यामीः शुद्धं बुद्धि
या पुष्पावकी नलो साहा ॥ पूजा साययिष्यामीः ॥ सादी कल्याण
मथ कल्याणं पुष्पवत्साल कल्याणं खनथं सुवकनं कन
संदनीयुक्तं पुष्पमूर्धं पुष्पवत्सालं पुष्पवत्सालं संप्रकाशयकी
सा ॥ हवपाननाय ॥ ॥ तु साद कथागतकथाहंसाययिष्यामीः ॥ सायन

गर्भसिद्धिं प्रदहति

सुननय ॥ ॥ दुःखं वा या नयनं यद् ॥ ॥ सुननय ॥ ॥

कुमली धनिवज्जी महायकी सन न क २ ई ई रुह १ खा हा ॥ य पा ल

संख्यानं कृया ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

का॥ ॥ ॐ वज्राद कर्कशाहा॥ वज्रम मयशाहा॥ ॐ वज्रलखस

सषड् ॥ मणुसखधनया ॥ ॥ शनैः समयनं नृन्नात्रसहि

मंशीलं च स ना कुन का कि कु ड क यि यिलि का न यन यनं यि

क की या स्थाय नं धा नं न क नं म क थि रु क नूनं प्र ह्ना सू ल प्र ङा
 ला य प्र ङा या ल मी ला य दू द य ल रु कि रु ला मू नी म णु लं रु व रु
 क न क वर्ष् सर्व आ ए वि मू क रु न म नू रु वी ष्ट रु व यदि कि
 का नी ध न क न क स मू क आ य क ना क वं म स ग रु अ न गृ ह सिं
 रु ला शु ल ख स वं रु था ग रु नू धि रं रु ला ला ॥ ॥ रुं सर्व वि

श्रावृसा नदं ॥ कलं क पाल हा वा ॥ ॥ व क स यथा ध्याना ॥ ॥ कुं म द्याः

धिष्टिरुमीमयं का आदि चतुर्वीजं संज्ञाकं महाहं कायुश्रुतीक
लागदि मगु आय जी सँका आ नन्द म नू म श्री नल्लसी हासनसि
कं यप्रचद श्री वज्रसलद्वि तु कं नू क मू खं शु क व नू वज्रवज्रय
मधयवी विगा रु नग रु खि कं शीलसी वि व नधा वि सं नील व
रुं अक्षो लं कं श्री यो नं तु नूरु घ वं कं आत्मा ॥ ऊँ ई वं हाः पा धा
वमना अर्थ पुनी रु स्था हा ॥ ॥ **वादा र्थ कया** ॥ ऊँ चन्द्रार्क विमलः

स्वाहा ॥ ऊँ वज्रसलपायं प्रकिरु स्वाहा ॥ ॥ **पूय न्या म पा या** ॥ ऊँ
हमाहममम नू वनम ॥ ॥ ऊँ हां अक्षो म नू वनम ॥ ॥ ऊँ ई उ
ई म नू वनम ॥ ॥ ऊँ यं पूर्व विद हा यनम ॥ ॥ ऊँ नं कं वृद्धी वा
यमम ॥ ॥ ऊँ लं अयन गा डा बलि पा यनम ॥ ॥ ऊँ वं उ रु नः
गु नू वनम ॥ ॥ ऊँ या उ यद्रि पा यनम ॥ ॥ ऊँ आ उ यद्रि पा यन
म ॥ ॥ ऊँ आ उ यदी पा यनम ॥ ॥ ऊँ वा उ यदी पा यनम ॥ ॥

ॐ यगद्वयं ब्रह्माय नमः ॥ ॐ नः पूष ब्रह्माय नमः ॥ ॐ लं ब्रह्म
 ब्रह्माय नमः ॥ ॐ हे वेदि ब्रह्माय नमः ॥ ॐ आखे ब्रह्मा
 य नमः ॥ ॐ आमनी ब्रह्माय नमः ॥ ॐ लायक ब्रह्माय नमः
 ॥ ॐ वाउयदीयाय नमः ॥ ॐ वासवनी धानाय नमः ॥
 ॐ अययाय नमः ॥ ॐ आसूर्याय नमः ॥ ॐ रुवनशीवज
 सखयुव नमः ॥ ॐ वज्रपुष्पाहा ॥ **स्वाना** ॥ ॐ वज्रगुप्ताहा ॥

सीमा ॥ ॐ वज्रसिंधू नरुष नस्वाहा ॥ **सीधना** ॥ ॐ वज्रवर्माहा ॥ **जडाका**
 ॐ वज्रधूप नमः स्वाहा ॥ **धूया** ॥ ॐ वज्रदीप स्वाहा ॥ **मका** ॥ ॐ वज्रनेवय स्वा
 हा ॥ नेवया ॥ ॐ वज्रपुष्पाहा ॥ **आय** ॥ ॐ वज्रनाजाय स्वाहा ॥
~~मधुपुष्पाहा ॥ लयदीप स्वाहा ॥~~ ॥ वज्रवर्त्म मय मय ॥ अष्टद्विधा युभा
 शीकं नाना बलं समाकि ॥ कदं नरु वराय न ॥ शुभला वज्रधर्म
 स्वा ॥ सयत्ययुक्त ॥ येवव नीर्था नयानि हा वन ॥ संपूर्ण बल मधुलः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कुडीये कुचदं ॐ देवकर्म स रुतं शगनु ॥ ॥ **नाम** ॥ ॐ वज्रवीमर्हं ॥ ॐ वज्र
वंलाजां ॥ ॐ वज्रमृदगां ॥ ॐ वज्रमृगं ॥ ॐ वाज्रनायकं ॥ ॐ वज्रमालां ॥ ॐ व
ज्रगीकं ॥ ॐ वज्रनखं ॥ ॐ वज्रपद्मं ॥ ॐ वज्रद्वयं ॥ ॐ वज्रवलाकीकं ॥
॥ ॐ गन्धवज्रं ॥ ॐ वज्रादलां ॥ नखं वज्रं ॥ सगर्वज्रं ॥ वर्मवज्रं ॥
मृगं ॥ नादयं ॥ नखं ॥ नमांमिदं ॥ नमां ॥ ॐ आदं ॥ ॐ वज्रं ॥ हाय ॥ क
र्त्ति ॥ ॥ **वज्रवीमर्हं** ॥ ॥ **वज्रवीमर्हं** ॥ ॐ वज्रसत्त्वसङ्गं ॥ हाय ॥ वज्रनखमनखन

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ वज्रधर्मप्रयत्नं वज्रकर्मकलां नयं ॥ ॥ **वज्रवीमर्हं** ॥ ॥ **वज्रवीमर्हं** ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ लाकपाला महधीला की लयं हृदयं कोरा विप्रहृन्तान
भामुनं ॥ ॥ **वज्रवीमर्हं** ॥ ॐ हः ॥ ॐ स्वस्वाहा ॥ वीराने वृद्धतीने दिवसक मोध
नाला सर्वविभूषणं मेरी यन्त्रा वनूपी ॥ श्री नक्षी वनूपः मशस्वास्व वयो
नोपशोषदधनूपं क्लीकनवपुषी ॥ वज्रनखीमनारं विज्ञाननूपनीहि
की रुवरुयय वमर्हि पुनः ॥ ॥ **वज्रवीमर्हं** ॥ ॥ **वज्रवीमर्हं** ॥

कस्तमूलसकलसत्त्व. सत्त्वोसकस्तमूलसकलसत्त्व. पत्रमाहिधका ॥
 मरुसस्तान. हानसस्तान. दग्धसस्तान. दधोसस्तान. मधुसस्तान. लोमी
 पाशपक्षमरुसस्तान. अरुवधुकासी ॥ पुनीविषुसमाधर्मा. अरुवधुका
 वाहिनादीना. हनुकर्म्मकलाहव ॥ ~~नायकीकमा. हनुकर्म्मकला. सीकरी~~
~~का.~~ हुं वज्रहममभुलख सर्वकथाग. धीरानाधीली है दुस्त्राहा ॥ हुं वज्रव
 ल्धस्त्राहा ॥ हुं वज्रसीधूनविहृषनस्त्राहा ॥ हुं वज्रवमुस्त्राहा ॥ ~~स्त्राहा~~

॥ स्वस्तिव कनूनीवृद्ध. स्वस्तिदवासेसककाश. स्वस्तिनोसिहृषाणी. सत्र
 कालेदिसंहवा ॥ वृद्धपू. धानरुधन. दवगानामननवक्ष. जीजीधुधसमती
 पुन. सत्त्वोसस्तमस्तमती ॥ स्वस्तिवादिपदलांडु. स्वस्तिवास्तुवृद्धपदहास्व
 स्तिवावज्रकामार्ग. स्वस्तिपुष्पागणपूर्व ॥ स्वस्तिनाओस्वस्तिदवा. स्वस्ति
 दवा. स्वस्तिनश्चदिनस्तीन. सर्वधुस्वस्तिहोहु. मार्गधेपापापमागमहा
 यानीहृषानिस्तिहानि. समागतानी. रुमावधवावनीकश. कर्वनुमेजा

समर्पे यज्ञादि वाचनाशोचनननुधर्मः॥ ॥ ~~पञ्चमनामपूजा~~
॥ ~~पञ्चमनामपूजा~~ ॥ ॐ वेनावनोय स्वाहा ॥ ॐ अक्राणा य स्वाहा ॥ ॐ जलसेराय
स्वाहा ॥ ॐ अमीनालाय स्वाहा ॥ ॐ अभायसीय स्वाहा ॥ ॐ लावनीय स्वा
हा ॥ ॐ नामकिथ स्वाहा ॥ ॐ पातुनाय स्वाहा ॥ ॐ आर्षनाय स्वाहा ॥ ॐ
॥ ॐ प्रहापात्रमीनाय स्वाहा ॥ ॐ गन्धविहाय स्वाहा ॥ ॐ दनरुमीय
नाय स्वाहा ॥ ॐ सप्तात्रायाय स्वाहा ॥ ॐ लंकावनानाय स्वाहा ॥ ॐ तलीकवी

रुनाय स्वाहा ॥ ॐ सक्रधमपुनो काय स्वाहा ॥ ॐ पुवर्षपुकासाय स्वा
हा ॥ ॐ कथागरुडकाय स्वाहा ॥ ॥ ॐ आर्षावनाकीकृष्णनाय
स्वाहा ॥ ॐ मेदीयाय स्वाहा ॥ ॐ गगनगङ्गाय स्वाहा ॥ ॐ समन्तरुजाय स्वा
हा ॥ ॐ वज्रपात्राय स्वाहा ॥ ॐ मरुताभाय स्वाहा ॥ ॐ सर्वनीव हविर्क
हाय स्वाहा ॥ ॐ कीर्तिगर्हाय स्वाहा ॥ ॐ स्वगहाय स्वाहा ॥ ॥ ~~उनि~~ ॥
ॐ वन्द्य श्रीवज्रसत्त्वः पुवनगुर्व्वर्णः सर्ववृद्धरुवाकैः नानाभूपनयनैः

॥ किमी नरु यरु नगां ॥ किं निर्मा कं म नू ॥ के ॥ धर्मा ॥ हुमनि नो, किन गु
जनमी कं मरु संव नू ॥ सर्वान न्दे क नू यं यनम पीव प्रदे दहि ॥
भाक हं ॥ ॥ हुं नम रु सर्व वा पी शु गनी प्रा यं ॥ जो नम हा ना री य
क नू न मा मु ॥ ॥ हुं न मा न त्र य पा य ॥ या सर्व रु न यान य स्य य
स मं ॥ के पी न हं ॥ वा व की या मा न रु न या ॥ इ ग द्वि क रु ना लो का र्थ
से पा ली का सर्वा का न मी रं य द कि म न ॥ वि न्व य या से ग न ॥ क से ॥

व क वा धि स त्व ग नी ना वृ द्ध स्य मा न न म ॥ ॥ हुं लो क ना र्थ इ ग रु स
र्व सर्वा मा र्थ गु ॥ अ न्व नी ग म व स न न र व ॥ अ हि मी श्री य स्य न्व नी ॥ ॥
अ प्रा प वा य नी ना ना द स्य वा व म या वि ला यं पु न म श्री की ना र्थ क स
र्व रु नु म ह सी ॥ रु नु म ह रु स व द्वा य व ना क रु का थ य ॥ व क्रा था
लो क या ला य या नि रु ना वि धी की या ॥ नि स किं व पू किं व रु क स्या
नू य हा य न ॥ य न्क रं द रु क कि वी रु म या न्क रं धि या पु न ॥ रु न यं व ना

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री कृष्ण वीर्य हृदये ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वलि. महासूखली नैचिक्तयः॥ ॥ पूं जां डां भ्रां एनी नौ दं मा का डा प्रिका
कंलं को हिं पुं गुं सां सुं नीं सीं भं कुं॥ ॥ यीं (नय पी०) रुं धा य रुं प्र रुं न
पुं रुं द. भला य का भला य का रुं. भ्रं भा ना य भ्रं भा भं रुं. स द दि रुं
का ल. ना सि स म हा. अ क नी सु रुं व न भुं का. पु नू वू द्र वा वि स त्वा दि
॥ श्री व कृ स य न स मा गु ल यी. आ क र्ष य रुं इं व जा कृ स ॥ इं व ज
घा भ रुं॥ इं व ज स ट वी॥ इं व जां व न हा॥ ॥ इं व व न स ली ना यी

[illegible]

स १५

ॐ रुद्र ॥ ॐ समय वि समय म क नाटक रुद्र ॥ ॐ काका म रुद्र ॥ ॐ
 लुका म रुद्र ॥ ॐ खाना म रुद्र ॥ ॐ सुकला म रुद्र ॥ ॐ यमदा
 दीय रुद्र ॥ ॐ यम इ निया रुद्र ॥ ॐ यम इ क्षीय रुद्र ॥ ॐ यम म
 थनीय रुद्र ॥ ॐ चन्द्राग्र हाय स्वाहा ॥ ॐ गङ्गा लाय स्वाहा ॥ ॐ काला
 कलाय स्वाहा ॥ ॐ कनक रे धी नवाय स्वाहा ॥ ॐ अह हा माय स्वाहा
 ॐ लक्रि वरु रुद्रा म नाय स्वाहा ॥ ॐ धाना म नाय स्वाहा ॥ ॐ

स १५

किली की लाय स्वाहा ॥ **खान रुद्रा माय ॥ पूषा ना म ॥ ॥ मुक्ति ॥** ॐ नम
 ४ स र्च कथा गतः सुलली नवीना सन मी न न मा मी रुग वनः जै हं व हा
 कसुमा जलीना था हा ॥ **॥ पञ्चमयान पूजा ॥ लाया ॥ मुक्ति ॥** ॐ वज्र स
 त्व सै ग्रा हा म की वज्र बल मन रु न रा वज्र धर्म ग्रा य म न वज्र कर्म
 कला रुव ॥ ॐ वज्र वी न हं ॥ ॐ वज्र व ला जी ॥ ॐ वज्र म दे ग जी ॥ ॐ वज्र
 म र्प्य भू ॥ ॐ वज्र ना म हं ॥ ॐ वज्र ना ल जी ॥ ॐ वज्र नी क जी ॥ ॐ वज्र न

स १६

ॐ वज्र पूषा हं । ॐ वज्र पूषा हं । ॐ वज्रावलाकि हं । ॐ
गन्धवज्र हं । ॐ वज्रादरभ हं । ॐ नहसवज्र हं । ॐ मूर्धनवज्र हं
॥ ॐ धर्म धातुवज्र हं । ॐ ज्ञानादयमा । नमस्कृतं । नमामि हं ।
नमो हं । ॐ आ हं । हं वज्र । हा य ४॥ नकीज हं । ॥ नकीज हं ॥
वज्रकीर्ति ॥ श्री गाल ॥ ॥ सर्वज्ञान सदा हं जगदर्थ प्रसादक
विक्रामनिनवीरु हं श्री समननम मुक्त ॥ ॥ मुक्ति हा ज पा श्री

स १७

न ॥ कवलपदलनील । श्री मूकमालामल । श्री मनीर्न महा वायू
वेखानलीला महामदिनी ॥ मण्डला धरु हमावला । श्री यत्रीकीर्ति
पद्मासना । श्री नमाकांरु । सर्वज्ञमाग । समानूर । श्री नीरुन ॥
द्विद्वमान्दालिना धनु । सूर्यद्रादिदवारुने । वनीरु शासिका । न
कदेखाकली । लाकनकाकनी । सर्वसिंघाहने । व्याघ्रचर्म **ध्वनी ॥**
इस्कने इस्कने । धीनगमिन । हं कानरुका न । हाहाकानवायू

हे सर्वस्वनाविष्णुवज्रार्ध. वन्द्यार्कसंस्कृतं धरुमाहीधका
न. सैकानमहासंभाहर्न. कलवद्वयधारासना (धाल. सर्वाद्रुय
रमायम॥ गुराद्वयज्ञानशुभा. धरुवाङ्गनालिङ्गन. मर्हमा
रुगवर्माभने. वाग्रहसुदय. विरू. नत्यनशुलनाय. कर्हि
कलवद्वयवशांग. या (भा. ल॥ सदुष्कम. लु. रुयीरुनच. पस्
नहीनईरु. भा. रुमान. महाभासमहासीन. आयीनभोनीन

1451 भा. 111

ग्यानीरु. यीधने. यादुभा. द्वाद्वैवकौ॥ दिनशुपवीर्. नमू. अवली
रुषर्. रिषर्. भा. वर्. धानस. शाससैकानीर्. मानविद्रावीन
वद्रुसखनम॥ **॥ कर्षेनमाय॥** **॥** कुंनभा. रुगवर्. वीननीन
धनायईरु॥ कुं महाकत्मा. मिसे. निलायईरु॥ कुं जशमकृष
रकटायईरु॥ कुं दक्षक. नाग्रहीय. वमूखायईरु॥ कुं सहज
रुजराशु. नायईरु॥ कुं यनशुया. मधक. कि. लखदाग. धानी

लीय ईरुद्र॥ ॐ माहाधूमान्धकात्राय ईरुद्र॥ ॐ नत्वा श्रीहनुकवीन
 सहजानन्दसकृन्नुचनधलाक डकिमूकिरुत्तप्रदं॥ ॥ ~~कनक~~
~~मा~~॥ ॐ चक्रघटचक्रलीखशा ~~स्नानकीयकाय~~॥ ॥ ॐ सर्ववृद्धता
 किनीय ईरुद्र॥ ॐ वज्रवानाहीय ईरुद्र॥ ॐ यामिनीय ईरुद्र॥
 ॐ कीर्माभाहनीय ईरुद्र॥ ॐ हकीसंवानीनीय ईरुद्र॥ ॐ ईरुद्रसि
 प्रासनीय ईरुद्र॥ ॐ रुद्रवशीकाय ईरुद्र॥ ॥ ~~पञ्चवक्त्रपूजा~~

नो

स २०

॥ ~~कनक~~ ॥ ॥ ॐ नमः श्रीवज्रवानाहि सिन्दूगानूषादहृदस्तहृप्र
 लाघहृदिनलीनायीका अस्यानन्दरुजेन स्नाज्जकनगलाना
 विष्मलीकृता श्रीस्ववाधीविष्मनकननी वानाहिकीवजीनी
 सर्वसिद्धीप्रदायका रुगवकीदवीनमः सर्वदायामिन्नास्वन्
 भाहनी रुगवकीसकृन्नीनी सर्वदा॥ सन्तासिन्धकथायनास
 विमलायागधनीवशीका वत्ताना रुजमेकमानन शुद्धीमे

स २१

लानोलासिका (गोत्रीली) स्यामा धूआ धू सनाथ. सकर्तव्य. सदा
कान्दवी. कुरुकानीरुमनूमादीरुमयमपीननीहिरुनीपीनः
शेषाभा. प्रकीदभयामि. पूनकः पूनकन. समनवीदध. अच
करवन्नजिनरुम. जिनजनमूरुसैरुनानि. कसलानिमनूमादि
नानी. वाक्षीसम्यकनीनामयानी. जिननलादिदिदय. अचनीः
जासिनो. सर्वरावनवाक्षीचीरुविदध. अनरुनमार्गकथसर्व

॥ ॐ आरुं सर्वगथागन कायवाकचीरु. खरावामकोरुं ॥
~~कसलानिमनूमादि~~ ॥ ॐ अथाहिजानमाकुल. स्यापीनापुद्रुदितानीना
कथाहसलानपयीष्यामि ॥ ॐ कूदेरुसवइत्येयूषाकैपूजनायन
सकूटपचकलीरुने. सर्ववूइमहोमकूट. प्रकीकलाहा ॥ ॐ वज्रध
नध्वनीअहीपीनइं ॥ ॐ सखवजीअहीपीकइं ॥ ॐ नखवजीअही
हीकइं ॥ ॐ कर्मवजीअहीपीकीं ॥ ॐ वृजमसिधर्मवजीअही

सू. २५

पी अरुं॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं हूं वज्र वज्र हूं॥ ॥ अथाहिषिकत्वमसि व
वे वजा हीषकक. एक वज्र शुसिद्धय वज्र। वज्र सत्त्वा मही पी अरुं निनी
स वज्र समय स्या हा य ४॥ ॐ वज्र सत्त्वा मही पि अर्या मि वज्र नामा ही य
कक. श्री ह नूक नामा वा र्य. ॐ रु व स्या॥ ॥ ~~पूजा ना ना~~ ॐ वे ना च ना य स्या
हा॥ ॐ अक्रो ह्या य स्या हा॥ ॐ नल र्श हा य स्या हा॥ ॐ अ मृ णं म वा य स्या
हा॥ ॐ अ माग ही य स्या हा॥ ॥ नमस्क पंच वृक्षानां अक्रो ह्यादिक ल ६

सू. २५

श्रेव. मध्य वे ना च ने ना र्थ. य व वृक्षे नम मु कशा ॐ अरु नूका नूल स्य हि
य म नु. विसा नूग ल य म्. सैख अ नी रु सि ज वी ज. वृकि सा नू य द य द म
हा स्तान. सर्व वृक्ष मह रु वे॥ ॥ ~~जाय ना धन जाय ना य~~ ~~म व य वा न म~~
~~जा~~ ॐ श्री न क स म्भ न व ज वा ना हि द व ना. ह स्ता र्थे न म॥ ~~पूजा ना ना~~ ॥
ॐ आ न न्दा य स्या हा॥ ॐ य न मा न न्दा म स्या हा॥ ॐ वी न मा न न्दा य स्या
हा॥ ॐ स ह ज्ञा न न्दा य स्या हा॥ ~~पूजा~~ ॥ ॥ नमस्क आ न न्द य न म॥ श्रेः

व. विनमान नृधुगी क हा ख न. सह जा गु मु क ला ख. पंच जी ना ल
 कंग न. नमस्ते हु न मान मश ना ग ना ना धि क व न्द. प्र न मा मि नु स
 वे दा ॥ **॥ वसी पूजा या य ॥** क हा री का भ ल वा यू म धु ली नै का भ ल
 अ णी म धु ली व का भ ल व डु ली. अ का ल ल प न हा ज नै. क डु रु का
 दि क ॥ ॐ कूं आं किं खं कूं लां मां यां तां लं. क डु द धि स्ति क. पंचा म रु प
 अ षु दि पे. नू प ल अ हि न व रा नू व ॥. इ व न नू र्प द द्वा. या न द व

ॐ श्री क ली प ली ॥ ॐ आ कूं अ श्री स्तु नै ॥ **॥ पूजा या न मा य ॥** ॥
 ॐ व न्दा ग हा य स्वा हा ॥ ॐ ग क ला य स्वा हा ॥ ॐ क्वा ला दू ला य स्वा हा ॥
 ॐ क न क रे न वा य स्वा हा ॥ ॐ अ द हा सा य स्वा हा ॥ ॐ ल श्री व र्धु ड
 ना स ना य स्वा हा ॥ ॐ आ ना न्ध का ना य स्वा हा ॥ ॐ की ली की ला य स्वा
 हा ॥ **॥ ना म्ना ॥ क र्प न या ॥** ॐ ख ख स्वा हि र सर्व य क्क ना क्क स. क्क य
 क पि ष ॥ आ त्मा दा क श की मा द य ॥ ॐ नै व सी ग क्क कु पि व कु जि य

ॐ माणिक्यमर्थं सर्वाका न नया सकु सुखविशु दयः साहा को येर
वनु॥ मम ॐ नि न जा कूर्च नु खरि स्वाहा॥ ॐ श्रीं ज्ञानमनं प्रती
क स्वाहा॥ ॥ वी नू वी य ॥ दू का न य ल म न्द व दू का न ॐ श्रीं ज्ञा
य का दू का न नु रु व ॐ नु दू का न नु न भा न म ॥ ह ल डी ल पा य
॥ ॥ यी ॐ य पी ॐ रु द्रा य रु द्र रु द्रा य रु द्रा म ला पे का य म ला
य क ॐ म ॐ ना य ॐ म ॐ न रु व स म सै ग रु ग न सी क ल्य रु ग रु ख नो

वरी क ल्य हा वा हा व ना बी क मा ना ॥ गु नू न न क नू न क रु ली रु ची
हाम्बू ना था क नू न क नू न रु द वा म र्थ नि भा नू म ॥ ॥ अ प्रा क चा
य नी ह्ना ना द स ग्वा न म आ बी हा यी नू न म धा के ना र्थ रु ल्ते र्व द स
मा मि हे न नू नू रु वू ध नू न रु ॥ ग नू न न म रु स रु प्र का स नू न
न म रु स रु प्र नी स्तो य प्र का य भा न स स र्व च का सा रु रु ला रु
वनु॥ ॥ ॐ श्रीं ह नू क स न य म नू पा ल य ह नू क न ना प्र नी रु